Northern Coalfields Limited
(Govt. of India Mini Ratna Company)
Post- Singrauli Colliery
Distt- Singrauli MP PIN-486889

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक मिनि रत्न प्रतिष्ठान)
पोस्ट सिंगरौली कोलियरी,
जिला- सिंगरौली म. प्र., पिन 486889

CIN- U10102MP1985GOI003160
Phone: 07805- 266808 (Off) , 266640 (Fax) email: pro@ncl.gov.in website : www.ncl.gov.in
An ISO: 9001, ISO: 14001 & OHSAS: 18001 Certified Company

एनसीएल/जनसम्पर्क/प्रेस विज्ञप्ति/16–17/75 दिनांक –11.05.16

प्रेस विज्ञप्ति

आईएएस बनकर नरेन्द्र ने रोशन किया एनसीएल परिवार का नाम

सिविल सर्विसेज परीक्षा में हासिल किया 86वां स्थान

एनसीएल मुख्यालय स्थित आवास संख्या 1सी/68 में आज (11.05.16 को) उत्सव–सा माहौल है। यह आवास है एनसीएल की झिंगुरदा परियोजना में सब–ऑर्डिनेट इंजीनियर (सिविल) के पद पर कार्यरत श्री राम लखन शाह का। इस घर के बेटे नरेंद्र ने सिविल सर्विसेज परीक्षा में 86वां स्थान हासिल किया है। कल शाम जैसे ही यह खबर आई, इस आवास में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। तब से बधाइयों का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह इस वक्त अपने पूरे शबाब पर है। खुशी बहुत बड़ी है, एनसीएल का एक बेटा देश सेवा में अपना योगदान देगा, इससे पूरा एनसीएल परिवार गदगद है। नाते–रिश्तेदारों के फोन आ रहे हैं तथा सुख–दुख में हमेशा साथ रहने वाले एनसीएल परिवार के लोग मिलकर खुशी बांट रहे हैं।

नरेंद्र के पिता श्री राम लखन शाह एवं मां श्रीमती मान कुमारी शाह की आंखों में खुशी के आंसू हैं। ये आंसू उस सपने के पूरे होने के हैं, जिसे ज्यादातर मां–बाप अपने बच्चों के लिए देखते हैं। श्री शाह नरेन्द्र की कामयाबी के पीछे अपनी धर्मपत्नी श्रीमती मान कुमारी शाह को मुख्य भूमिका में देखते हैं। नरेन्द्र का भी ऐसा ही मानना है। नरेंद्र कहते हैं कि उनके परिवार में ऊंची तालीम के लोग काफी कम हैं तथा खुद उनकी मां पढ़ी–लिखी नहीं हैं। इसके बावजूद उन्होंने अपने बच्चों के लिए अच्छी तालीम का सपना देखा और लगातार उन्हें मेहनत और लगन की प्रेरणा देती रहीं। उनकी जिद थी कि वे हर कीमत अपने बच्चों को अच्छी पढ़ाई–लिखाई दिलाएंगी। शायद इसी जिद का नतीजा है कि शाह परिवार के तीनों ही बच्चे सरिता, नरेन्द्र और मनोज ने सिंगरौली जैसी छोटी जगह में वह कर दिखाया है, जिसका सपना करोड़ों दिलों में पलता है।

श्रीमती एवं श्री शाह के तीनों बच्चों में सरिता सबसे बड़ी हैं। सरिता ने वर्ष 2005 में ऑल इंडिया प्री–मेडिकल टेस्ट में 220वीं रैंक हासिल कर देश के बेहद प्रतिष्ठित किंग्स जॉर्ज मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की। फिर उन्होंने मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज दिल्ली से पोस्ट ग्रैजुएशन किया और फिलहाल लोकनायक जयप्रकाश नारायण हॉस्पिटल दिल्ली में डॉक्टर (सीनियर रेजिडेंट) हैं। नरेंद्र से छोटे मनोज हैं, जिन्होंने इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी (आईआईटी) दिल्ली से केमिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की और फिलहाल इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) कोलकाता से मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रहे हैं।

सरिता से छोटे नरेन्द्र हैं। नरेन्द्र ने वर्ष 2004 में दसवीं की पढ़ाई पूरी की और बारहवीं की पढ़ाई और इंजीनियरिंग परीक्षा की तैयारी के लिए कोटा चले गए। यह नरेंद्र का निर्णय था,

Northern Coalfields Limited
(Govt. of India Mini Ratna Company)
Post- Singrauli Colliery
Distt- Singrauli MP PIN-486889

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक मिनि रत्न प्रतिष्ठान)
पोस्ट सिगंरौली कोलियरी,
जिला- सिगंरौली म. प्र., पिन 486889

CIN- U10102MP1985GOI003160
Phone: 07805- 266808 (Off) , 266640 (Fax) email: pro@ncl.gov.in website : www.ncl.gov.in
An ISO: 9001, ISO: 14001 & OHSAS: 18001 Certified Company

जिसे मां–बाप (खासकर मां) का पूरा सपोर्ट मिला। अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए नरेन्द्र ने वर्ष 2011 में आईआईटी मुंबई से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की और तय किया कि देश सेवा के लिए उन्हें आईएएस की परीक्षा पास करनी है। तब से उन्होंने अपनी कोशिश जारी रखी और 10 मई 2016 को आए सिविल सर्विसेज के नतीजे में उन्हें 86वीं रैंक हासिल हुई है, और आईएएस के लिए उनका चयन हुआ है। पिछले वर्ष भी वे इस परीक्षा में वे चयनित हुए थे और उन्हें 694वीं रैंक हासिल हुई थी तथा इंडियन इन्फॉर्मेशन सर्विस के लिए उनका चयन हुआ था। इससे पहले शुरुआती दो प्रयासों में वे इस परीक्षा के साक्षात्कार तक पहुंचे थे। मूल रूप से सिंगरौली जिले के चितरंगी के रहने वाले नरेंद्र ने अपने गृह राज्य मध्य प्रदेश को ही अपनी पोस्टिंग का पहला चॉइस बनाया है।

किताबें पढ़ने और नई चीजों की जानकारी हासिल करने में दिलचस्पी रखने वाले नरेन्द्र अपनी कामयाबी में नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के योगदान की व्यापक चर्चा करते हैं। उनका मानना है कि सिंगरौली जैसी छोटी जगह में अच्छी स्कूलिंग की व्यवस्था दिलाकर क्वालिटी एजुकेशन दिलाने के लिए एनसीएल प्रबंधन की जितनी तारीफ की जाए, कम है। खुद नरेन्द्र ने भी एनसीएल–एडेड स्कूल डीएवी झिंगुरदा परियोजना से अपनी दसवीं तक की पढ़ाई पूरी की है। उनका कहना है कि एनसीएल की टाउनशिप में प्रबुध्द परिवारों के बच्चों के बीच पढ़ाई लिखाई का एक प्रतिस्पर्धात्मक माहौल बनता है, बच्चों के विकास में जिसका परोक्ष रूप से काफी फायदा मिलता है।

युवाओं तथा सिविल सर्विसेज की परीक्षा की तैयारी करने वालों के लिए नरेन्द्र का संदेश है कि कड़ी लगन एवं मेहनत के साथ धैर्य कायम रखना ही इस परीक्षा में कामयाबी का मंत्र है। नरेंद्र का यह भी मानना है कि बच्चों को खुद उनकी गोल सेटिंग का मौका दिया जाना चाहिए तथा माता–पिता इस गोल सेंटिंग में बच्चों के पूरक बनें और बच्चों पर कुछ थोपा ना जाए।

एनसीएल परिवार को नरेन्द्र जैसे सितारे पर फक्र है।

कैप्शन – अपने पिता श्री राम लखन शाह, मां श्रीमती मान कुमारी शाह तथा बहन सरिता शाह के साथ नरेंद्र (बाएं)।

(एस. के. सिंह)
जनसम्पर्क अधिकारी